पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यातिथि पर "अहिंसा एवं युवा" विषय पर निबंध :-

• प्रस्तावना :-

पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर 1889 को इलाहाबाद में हुआ। उनके पिता मोतीलाल एक प्रसिद्ध बैरिस्टर थे। उन्होनें कानून की शिक्षा ली। कानून पूरा करने के बाद वे भारत लौट आए। उन्हें अपने देश की आजादी के लिए एक ज्वलंत जुनून था। वे महात्मा गांधी से गहरे प्रभावित थे। उनकी सबसे बड़ी इच्छा भारत को आजाद कराने की थी। महात्मा गाँधी के मार्गदर्शन में जवाहर लाल नेहरू ने स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया। उन्होनें सत्य व अहिंसा के मार्ग का भी पालन किया।

इन्होनें संविधान में कहा "हम इतिहास के पुरुष और महिला हैं या नहीं, भारत भाग्य का देश है"।

• अहिंसा और युवा :-

अहिंसा और युवा दो विरोधाभासी शब्द है। क्योंकि युवा गर्मजोशी और उबलते खून से भरा होता है, जो जरा-जरा सी बात पर उत्तेजित हो जाता है, और हिंसा पर उतारू हो जाता है। इसलिए युवा और अहिंसा दो विपरीत और विरोधाभासी अर्थ लिए हुए है। यह आवश्यकता नहीं सारे युवा हिंसक ही होते है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

किसी भी तरह की हिंसा किसी भी तरह से उचित नहीं होती । अक्सर देखने में आया है कि युवा लोग आक्रामक अधिक होते हैं। उनमें जोश एवं उत्साह होता है । थोड़े से किसी वाद - विवाद में छोटी सी बात पर उत्तेजित हो जाते हैं और हिंसक बन जाते है, क्योंकि उनके खून में उबाल होता है । युवावस्था जोश का प्रतीक है । वह उत्साह का प्रतीक है, कुछ कर गुजरने की अवस्था होती है । हिंसा के मायाजाल में उलझ कर युवा अपने जीवन को गलत राह पर ले जा सकते है । जोश व उत्साह का तात्पर्य यह नहीं कि हिंसा भी की जाए । हिंसा पर भी काबू पाया जा सकता है । बेशर्त अगर अपने मन को नियंत्रण में रखा जाए । अपने क्रोध पर नियंत्रण स्थापित किया जाए । अगर युवा बात - बात पर हिंसा करने की बजाए अपने जोश व उत्साह तथा गर्मजोशी को सकारात्मक कार्यों में लगाएँ तो वह न केवल समाज के हित का कार्य करेंगे बल्कि स्वयं के हित का भी कार्य करेंगे ।

अहिंसा का महत्व :-

सन 1947 मे भारत ने जो स्वतंत्रता प्राप्त की थी, वह अहिंसा वाद की ही तो देन है । 'अहिंसा परमोधर्म' यह तो हम सबने सुना है । जिसे गौतम बुद्ध से लेकर महावीर स्वामी तक ने अपनाया, और इसी मार्ग पर चलने का सबको संदेश दिया, परन्तु अहिंसा

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

के मार्ग पर चलना उतना ही मुश्किल था जितना कि अँगारों पर चलना, जिसे सच कर दिखाया, हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने एक लाठी लेकर खड़ाऊ पहनकर वे निकल गये अपने देश को अँग्रेजो से आजाद कराने और भारत छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया, सिर्फ और सिर्फ अपनी, अहिंसावादी विचारधारा के चलते, महात्मागांधी को 'अहिंसावादी विचारधारा का जनक कहा जाता हैं। अपनी इस विचारधारा से उन्होने सिर्फ अपना देश आजाद कराया अपितु अन्य देशों के समक्ष यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि अहिंसा एक ऐसा शाँतिपूर्ण हथियार हैं, जिसके माध्यम से हिंसा पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।

भारत मे और कई एसे विचारक एवं सुधारकर्ता हुए जिन्होने अहिंसावादी विचारधारा का प्रचार किया, जिनमे राजा राम मोहनराय, ईश्वरचन्द्र विद्या सागर, स्वामी विवेकानन्द जैसे नाम विश्व प्रसिद्ध है।

• युवा :-

युवा कल की आशा हैं, वे राष्ट्र के सबसे अजविान भाग मे से एक है। इसलिए उनसे बहुत उम्मीदे है। सही मानसिकता व क्षमता के साथ युवा राष्ट्र के विकास मे योगदान कर सकते है। और देश को आगे बढ़ा सकते है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

आज का युवा :-

मानव सभ्यता सदियों से विकसित हुई है, हर पीढ़ी की अपनी सोच और विचार होते है, जो समाज की विकास की दिशा में योगदान देते है। हालांकि एक तरफ मानव मन और बुद्धि समय गुजरने के साथ-साथ काफी विकसित हो गई है, वही लोग भी काफी बेसब्र हो गये है, आज का युवा प्रतिभा व क्षमता वाला है, लेकिन इसे भी 'आवेगी और बेसब्र कहा जा सकता है, 'आज का युवा सीखने व नई चीज़ो को तलाशने के लिए उत्सुक है। 'अब जब वे अपने बड़ो से सलाह ले सकते है, तो वे हर कदम पर उनके द्वारा निर्देशित नहीं होना चाहते है। युवा पीढ़ी आज विभिन्न चीजों को पूरा करने की जल्दबाजी में है। और अंत में परिणाम प्राप्त करने की दिशा में इतना मग्न हो जाता है कि उन्होंने इसका चयन किस लिए किया। इसकी ओर भी वे ध्यान नहीं देते है, हालांकि विज्ञान, प्रोद्योगिकी, गणित, वास्तुकला, इंजीनियरींग और अन्य क्षेत्रों में बहुत प्रगति हुई है। पर हम इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकते कि 'अपराध की दर में भी समय के साथ काफी वृद्धि हुई है आज दुनिया में पहले से ज्यादा हिंसा हो रही है और इस हिंसा के एक प्रमुख हिस्से के लिए युवा जिम्मेदार है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

★ युवाओं के बीच अपराध को बढ़ावा देने वाले कारक :-

(i.) शिक्षा की कमी
(ii.) बेरोजगारी
(iii.) पावर प्ले
(iv.) बढ़ती प्रतिस्पर्धा
(v.) अन्य

यह माता-पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों का पोषण करे व उन्हें अच्छा इंसान बनने मे मदद करे। देश के युवाओं के निर्माण में शिक्षक भी प्रमुख भूमिका निभाते है। ईमानदार और प्रतिबद्ध व्यक्तियों को पोषित करके वे एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर रहे है।

• उपसंहार :-

लोगों के अन्दर अब संवेदनाएं पूर्णतया समाप्त होती जा रही है, जरूरत है तो स्वयं को समझने की क्योंकि हिंसा के रास्ते पर चलकर कीसी का भला नहीं हुआ है, बड़े बड़े देश तबाह हो गये है, और हो रहे है। यदि हम अपने जीवन मे अहिंसावाद को अपनाते है, तब हम सही मायने में स्वयं को जीव-जन्तुओं से भिन्न मानते हुए मानवता की रक्षा कर सकते है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कुछ पंक्तियों से मैं इस निबंध को समाप्त करना चाहूँगी :-

" जब जुल्मों का हो सामना
तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करे हम भलाई करे
नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम
और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चलें और बदी से टलें

ताकि हँसते हुए निकले दम
ऐ मालिक तेरे बन्दे हम "

- अनिषा होड़ा

B.A. Ist Year

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner